भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4258 का उत्तर

झारखंड में नई रेल लाइनें

4258. श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) झारखंड में चल रही नई रेल लाइन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;
(ख) इन नई रेल लाइनों के विकास के लिए आवंटित/स्वीकृत धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(ग) पारसनाथ से मधुबन होते हुए गिरिडीह को जोड़ने वाली नई रेल लाइन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
(घ) उक्त नई रेल लाइन के लिए आवंटित/स्वीकृत धनराशि का ब्यौरा क्या है तथा उक्त परियोजना का क्रियान्वयन न होने के क्या कारण हैं तथा इसके पूरा होने की अपेक्षित समय-सीमा क्या है;
(ङ) क्या सरकार को हावड़ा से गिरिडीह होते हुए गया तक नई रेल लाइन को वंदे भारत ट्रेन से जोड़ने के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है; और
(च) क्या सरकार गिरिडीह से कोलकाता तक सीधी रेल सुविधा उपलब्ध कराने पर काम कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल परियोजनाओं की स्वीकृति और निष्पादन राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे और दक्षिण पूर्व रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 52,885 करोड़ रुपए लागत वाली कुल 3,070 किलोमीटर लंबाई की 32 रेल परियोजनाएं (11 नई लाइनें, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से मार्च 2024 तक 744 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 15,986 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। इनका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2024 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	11	1069	156	3549
आमान परिवर्तन	1	159	90	184
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	20	1842	497	12254
कुल	32	3070	744	15986

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	457 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	7306 करोड़ रु. (लगभग 16 गुना)

झारखंड राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	287 किलोमीटर	57.4 किलोमीटर
2014-24	1218 किलोमीटर	121.8 किलोमीटर (2 गुना से अधिक)

पारसनाथ-मधुबन-गिरिडीह (49 किलोमीटर) नई लाइन को 2018-19 में झारखंड राज्य सरकार के साथ 50:50 लागत भागीदारी आधार पर 971.52 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मंजूरी दी गई थी। बहरहाल, इस परियोजना का निष्पादन नहीं किया जा सका क्योंकि परियोजना की लागत साझा करने के लिए झारखंड सरकार की सहमति प्राप्त नहीं हुई है।

हावड़ा पहले से ही मधुपुर, न्यू गिरिडीह, कोडरमा के रास्ते गया से जुड़ा हुआ है।

गिरिडीह/न्यू गिरिडीह के यात्रियों की सुविधा प्रदान करने के लिए, 13513/13514 आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस और 14049/14050 दिल्ली-गोड्डा एक्सप्रेस क्रमशः 12.03.2024 और 09.10.2024 से शुरू की गई हैं। ये मधुपुर से कोलकाता क्षेत्र के लिए संपर्क प्रदान करा रही हैं। यात्री कोडरमा से 22303/22304 हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस की सेवाओं का भी लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में वंदे भारत सेवाओं सहित नई रेलगाड़ी सेवाओं की शुरुआत करना जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता आदि के अध्यधीन सतत् प्रक्रिया है।

******